कुल प्रश्नों की संख्या : 14]
Total No. of Questions : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
[Total No. of Printed Pages : 8

C-232010-C

विषय : हिन्दी
Subject : Hindi

समय : 3 घंटे]
Time : 3 Hours]

[पूर्णांक : 80
[Maximum Marks : 80

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों – 'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(iii) खण्ड 'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(iv) खण्ड 'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिये गये हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(v) खण्ड 'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(vi) खण्ड 'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड - क

प्र.–1. अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बातचीत करने की कला, उसकी सूझ-बूझ और वाक्पटुता व्यक्ति की शोभा है, जो उसे आकर्षक बनाता है। श्रेष्ठ वक्ता अपार जन समूह को मुग्ध कर देता है। मित्रों, संबंधियों और समाज व संस्था के बीच सम्मान व स्नेह का पात्र बन जाता है। जो लोग तिल का ताड़ बनाने जैसी बातें करते हैं वे

https://www.cgboardonline.com

न केवल अपना बल्कि दूसरों का समय भी नष्ट करते हैं। साथ ही श्रोता के धैर्य की परीक्षा ले लेते हैं। विषय से हटकर बोलने वाले, अकारण अपनी बात खींचने के लिए विसंगत मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग कर उच्च स्वर में बोलने वाले उबाऊ होते हैं, ऐसे वक्ता से हर कोई दूरी बनाने का प्रयास करता है। श्रेष्ठ व कुशल वाचन के लिए वाणी का अनुशासन, संयम, संतुलन, माधुर्य, स्वर पट्टी आवश्यक होती है। ऐसे गुणों से युक्त वक्ता को लोग अपनी स्मृतियों में रखकर अमरत्व प्रदान कर देते हैं। कम बोलने वाला, सदैव चुप बैठने वाला, परिस्थिति की माँग पर भी प्रतिक्रिया न करने वाले को श्रेष्ठ श्रोता भी नहीं कहा जा सकता। वह अपनी प्रतिभा व अभिव्यक्ति का दमन कर जिंदा लाश की तरह है, अकर्मण्य होता है। अतः वाचन कौशल के लिए वाणी का तप आवश्यक है। वाणी सार्थक हितकारी, मृदु होनी चाहिए।

(i) व्यक्तित्व को आकर्षक कौन बनाता है ? **2**

(ii) श्रेष्ठ वक्ता की क्या विशेषता है ? **2**

(iii) कैसे लोग समय का दुरुपयोग करते हैं ? **2**

(iv) श्रेष्ठ व कुशल वाचन के क्या मापदंड हैं ? **2**

(v) किस प्रकार के लोग श्रेष्ठ श्रोता बनने लायक नहीं हैं ? **2**

(vi) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। **1**

(vii) एक शब्द में उत्तर दीजिए : **½+½=1**

(i) कम बोलने वाला

(ii) अधिक बोलने वाला

प्र.–2. अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ–

जब तुम

https://www.cgboardonline.com

मुझे पैरों से रौंदते हो

तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो

तब मैं –

धन-धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ।

जब तुम

मुझे हाथों से स्पर्श करते हो

तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो

तब मैं –

कुंभ और कलश बनकर

जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ।

जब तुम मेले में मेरे खिलौने रूप पर

आकर्षित होकर मचलने लगते हो

तब मैं–

तुम्हारे शिशु-हाथों में पहुँच प्रजारूप हो जाती हूँ।

पर जब भी तुम

अपने पुरुषार्थ-पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो

तब मैं–

अपने ग्राम्य देवत्व के साथ चिन्मयी शक्ति हो जाती हूँ

यह सबसे बड़ा देवत्व है कि

तुम पुरुषार्थ करते मनुष्य हो

और मैं स्वरूप पाती मृत्तिका।

https://www.cgboardonline.com

(i) रौंदे और जोते जाने पर मिट्टी किस रूप में बदल जाती है ? 1

(ii) मिट्टी प्रजारूपा कैसे हो जाती है ? 1

(iii) कुंभकार मिट्टी से क्या-क्या बनाता है ? 1

(iv) पुरुषार्थ क्या है ? 1

खण्ड - ख

प्र.–3. निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : 1+3+1=5

(क) पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

(ख) मेक इन इंडिया।

(ग) वन रहेंगे, हम रहेंगे।

(घ) क्यों न परहेज करें हम पॉलिथीन से।

प्र.–4. सड़क चौड़ीकरण के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर हरियाली को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। ध्यानाकर्षण कराते हुए दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 1+3+1=5

अथवा

अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने और जागरूकता बढ़ाने हेतु छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2022-23 का आयोजन करवाने पर सरपंच की ओर से धन्यवाद ज्ञापित कीजिए।

प्र.–5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। 1+1+1+1=4

(क) संचार किसे कहते हैं ?

(ख) इंटरनेट के दो लाभ लिखिए।

(ग) वाचडॉग पत्रकारिता किसे कहते है ?

(घ) अच्छे संपादकीय के क्या गुण होते हैं ?

https://www.cgboardonline.com

प्र.–6. किसी नाटक में संवाद का क्या महत्व होता है ? लिखिए। 1+1+1=3

अथवा

कहानी लेखन का महत्व बताइये।

प्र.–7. 'सामाजिक मूल्यों का संकट' विषय पर आलेख लिखिए। 3

अथवा

'गाँवों का शहरीकरण' विषय पर फीचर लिखिए।

खण्ड - ग

प्र.–8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने

कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!

बाहर भीतर

इस घर, उस घर

बिना मुरझाए महकने के माने

फूल क्या जाने ?

(क) कविता रचने और फूल के खिलने में क्या समानता है ? लिखिए। 2

(ख) कविता और फूलों में कौन कम प्रभावशाली व कौन अधिक प्रभावशाली है, काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

(ग) कविता का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए। 1+1=2

https://www.cgboardonline.com

प्र.–9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

हरषि राम भेंटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।।

तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।।

हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।।

कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।

यह बृतांत दसानन सुनेऊ। अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।

(क) प्रस्तुत काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) काव्यांश में कौन-सा मुहावरा प्रयुक्त हुआ है ? उसका अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 2

प्र.–10. (क) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ? 3

(ख) छोटे चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है ? 3

प्र.–11. अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=6

चैप्लिन का चमत्कार यही है कि उनकी फिल्मों को पागलखाने के मरीजों, विकल मस्तिष्क लोगों से लेकर आइन्स्टाइन जैसे महान प्रतिभा वाले व्यक्ति तक कहीं एक स्तर पर और कहीं सूक्ष्मतम रसास्वादन के साथ देख सकते हैं। चैप्लिन ने न सिर्फ फिल्म कला को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण-व्यवस्था को तोड़ा। यह अकारण नहीं है कि जो भी व्यक्ति, समूह या तंत्र गैर बराबरी नहीं मिटाना चाहता वह अन्य संस्थाओं के अलावा चैप्लिन की फिल्मों पर भी हमला करता है। चैप्लिन भीड़ का वह बच्चा है जो इशारे से बतला देता है कि राजा भी उतना ही नंगा है जितना मैं हूँ और भीड़ हँस देती है। कोई भी शासक या तंत्र जनता का अपने ऊपर हँसना पसंद नहीं करता। एक परित्यक्ता, दूसरे दर्जे की स्टेज अभिनेत्री का बेटा होना, बाद में भयावह गरीबी और माँ के पागलपन से संघर्ष करना, साम्राज्य, औद्योगिक क्रांति, पूँजीवाद तथा सामंतशाही से मगरूर एक समाज द्वारा दुरदुराया जाना – इन सबसे चैप्लिन को वे जीवन-मूल्य मिले जो करोड़पति हो जाने के बावजूद अंत तक उनमें रहे।

https://www.cgboardonline.com

(क) चार्ली का सबसे बड़ा चमत्कार कौन-सा है ? और क्यों ? लिखिए।

(ख) चार्ली को जीवन मूल्य कहाँ से मिले ? वे कब तक उनमें रहे ?

(ग) चार्ली चैप्लिन का बचपन कैसा था ? लिखिए।

प्र.–12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) सिख बीबी ने सफ़िया से क्या सौगात मँगायी ? 1

(ख) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के किस-किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए ? 3

(ग) 'पानी दे, गुड़धानी दे' मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है ? 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए। https://www.cgboardonline.com 3

(घ) निबंध लेखन की कुछ विशिष्टताएँ लेखक ने 'क्या लिखूँ' निबंध में बताई हैं, जो उसे आख्यायिका लेखन से अलग करती हैं। उन्हीं विशिष्टताओं को लिखिए। 3

प्र.–13. 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषताएँ लिखिए। 1+1+1+1=4

अथवा

'सिल्वर-वैडिंग' पाठ के आधार पर 'जो हुआ होगा' वाक्य की आप कितनी अर्थ छवियाँ खोज सकते हैं ? लिखिए।

प्र.–14. (i) "काश कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफसोस ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला .....।" क्या आपको लगता है कि ऐन के इस कथन में उसके डायरी लेखन का कारण छिपा है ? 4

अथवा

'सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था' कैसे ? लिखिए।

(ii) 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए स्पष्ट रूप से लिखिए कि, क्या यह शीर्षक कथा

https://www.cgboardonline.com

नायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ? 4

अथवा

'सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्यबोध है, जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था' ऐसा क्यों कहा गया ? लिखिए।

https://www.cgboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.cgboardonline.com